



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1554]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 24, 2015/श्रावण 2, 1937

No. 1554]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 24, 2015/SHRAVANA 2, 1937

गृह मंत्रालय

(आंतरिक सुरक्षा-I प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2015

का.आ. 2030(अ).—जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) (जिसे इसके बाद इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 11 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अनुसूचित अपराधों के विचारण के लिए उक्त अधिनियम की धारा-11 की उप-धारा (1) के प्रयोजनार्थ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, पुदुच्चेरी को 01 सितम्बर, 2010 को भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित 01 सितम्बर, 2010 की अधिसूचना सं. का.आ. 2162(अ) के तहत विशेष न्यायालय के रूप में अधिसूचित किया था, जिसका क्षेत्राधिकार संपूर्ण पुदुच्चेरी संघ राज्य क्षेत्र था;

और, जबकि, श्री थिरु पी. वेलमुरुगन, न्यायाधीश, जिन्हें दिनांक 02 सितम्बर, 2014 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड-(ii) में प्रकाशित दिनांक 02 सितम्बर, 2014 की अधिसूचना सं. 2212 (अ) के तहत उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, का स्थानांतरण हो गया है;

अंतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 02 सितम्बर, 2014 की अधिसूचना सं. 2212 (अ) का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन कार्यों के जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व सम्पादित कर लिया गया था अथवा करने के लिए छोड़ दिया गया था, मद्रास, उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश पर श्री थिरु सी.वी. कार्तिकेयन, मुख्य न्यायाधीश, पुदुच्चेरी को उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए एतद्वारा न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 17011/50/2009-आईएस-IV (भाग-2)]

एम. ए. गणपति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(INTERNAL SECURITY-I DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 2015

S.O. 2030(E).—Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the National Investigation Agency Act, 2008 (34 of 2008) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government had, *vide* notification number S. O. 2162 (E) dated the 1st September, 2010, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 1st September, 2010, notified the Principal District and Sessions Court, Puducherry as the Special Court for the purposes of sub-section (1) of section 11 of the said Act having Jurisdiction throughout the Union Territory of Puducherry for trial of scheduled offences;

And whereas, Thiru P. Velmurugan, District Judge who was appointed as the Judge to preside over the said Special Court *vide* notification number S. O. 2212 (E), dated 2nd September, 2014 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd September, 2014, has been transferred;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 11 of the said Act and in supersession of the notification number S. O. 2212 (E), dated the 2nd September, 2014, except as regards things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Chief Justice of the High Court of Madras, hereby appoints Thiru C. V. Karthikeyan, Chief Judge, Puducherry as the Judge to preside over the said Special Court.

[F. No. 17011/50/2009-IS.IV (Part-2)]

M. A. GANAPATHY, Jt. Secy.